भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं० 671

दिनांक 17.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए

एनआरडीडब्ल्यू मिशन के प्रभाव का आकलन

671. डा॰ विनय पी॰ सहस्रबुद्धेः

क्या **पेयजल और स्वच्छता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल (एनआरडीडब्ल्यू) मिशन के प्रारंभ किए जाने से लेकर अब तक कोई प्रभाव आकलन अध्ययन किया गया है;
(ख) यदि हां, तो इसके क्या परिणाम रहे; और
(ग) यदि नहीं, तो ऐसा अध्ययन न कराए जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) से (ग) जी हाँ। वर्ष 2017-18 में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी) का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किया गया है। मंत्रालय ने 5600 गांवों में नल जल आपूर्ति स्कीमों [एकल ग्राम स्कीम (एसवीएस) एवं बहुल ग्राम स्कीमें (एमवीएस)] की कार्यात्मकता स्थिति के संबंध में उनके स्वतंत्र मूल्यांकन का कार्य भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) को सौंपा था। क्यूसीआई ने 5610 गांवों को कवर करने वाली 3193 एसवीएस और 1139 एमवीएस वाली 4332 स्कीमों का मूल्यांकन किया। क्यूसीआई के निष्कर्ष से पता चलता है कि ग्राम स्तर पर 78.19% नल जल आपूर्ति स्कीमें कार्यशील हैं।